

लाजी में सबसे अधिक विकसित गिने चुने देशों में माना जाता है। वह परमाणु शक्ति के विकास में इतना आगे बढ़ा हुआ नहीं जितना कि उदाहरण के लिये संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ, क्योंकि उसका सामान्य औद्योगिक विकास बहुत कम है और उसने एटामिक क्षेत्र में कुछ वर्ष बाद कदम रखा। यदि उसका औद्योगिक विकास अधिक होता तो परमाणु शक्ति के विकास में उसकी उन्नति और भी अधिक प्रशंसनीय होती।

(घ) केवलमात्र आण्विक हथियारों के विकास के लिये उपयोगी होने के कारण वर्गीकृत सूचना को छोड़कर परमाणु शक्ति कार्यक्रम रखने वाले देशों के बीच शान्तिमय उद्देश्यों के लिये परमाणु शक्ति के विकास और उपयोग सम्बन्धी सूचना का लेन-देन खुली प्रकार से होता है।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI LAKSHMI MENON): (a) India co-operates in the development of atomic energy for peaceful purposes with several friendly foreign countries. In particular she has concluded agreements of co-operation either of a general nature or for specific purposes with the Governments or governmental organisations in Canada, France, Hungary, Spain, U.K., U.S.S.R. and U.S.A. and with Aktiebolaget Atomenergi of Sweden, Atomic Power Development Associates Inc. of the United States and Societe Generale des Minerais, Belgium.

(b) Generally speaking, collaboration between organisations is of mutual benefit as each party gains from the experience of the other. The nature of benefit is dependent upon the purpose of an agreement. Sometimes, India stands to benefit substantially by an agreement of co-operation. An outstanding illustration is the benefit to India by the agreement of co-operation between the Governments of Canada

and India resulting in the setting up of the Canada-India Reactor at Trombay.

(c) India has made remarkable progress and is acknowledged to be one of the handful of countries most advanced in the science and technology of atomic energy. She is not as advanced in the development of atomic energy as, for example, U.S.A. and U.S.S.R., because her general industrial development is much less, and she entered the atomic field several years later. If her industrial development had been more advanced, her progress in the development of atomic energy would have been even more remarkable.

(d) Except for information which is exclusively useful for the development of atomic weapons and therefore classified, exchange of information relating to the development and uses of atomic energy for peaceful purposes is full and free between countries, which have atomic energy programmes.]

HIGH FURNITURE RENT

*328. SHRI K. S. CHAVDA: Will the Minister of WORKS, HOUSING AND SUPPLY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the rent of the furniture in 'A' type flats in North and South Avenues is more than in 'D', 'E' and 'F' types of flats;

(b) whether it is a fact that furniture in 'D', 'E' and 'F' types of flats in North and South Avenues is much more than in 'A' type flats; and

(c) if the answer to parts (a) and (b) above be in the affirmative, whether Government propose to reduce the rent of furniture in 'A' type flats?

THE MINISTER OF WORKS, HOUSING AND SUPPLY (SHRI MEHR CHAND KHANNA): (a) and (b) The number of items of furniture in 'A' type flats is less than the number of items in 'D', 'E' and 'F' type flats but the book value of the furniture in 'A' type flats is higher. Therefore, the monthly rent of furniture in 'A'

†[] English translation.

type flats is higher. The basis of calculation of rent is, however, the same in all cases.

(c) Does not arise.

अणुशक्ति को काम में लाने के लिये अनुसंधान

*३२६. श्री विमलकुमार मन्नालालजी
चौरङ्गिया : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इस बात का पता लगाने के लिये अनुसंधान किया गया है कि कृषि, उद्योग, बायोलाजी और मेडीसिन के क्षेत्रों में किम किस कार्य के लिये किस किस सीमा तक अणुशक्ति का उपयोग किया जा सकता है ;

(ख) क्या यह निश्चित करने के लिये अनुसंधान किया जा रहा है कि कौन कौन से अन्य क्षेत्रों में इस से सहायता मिल सकती है ; और

(ग) उपरोक्त भाग (क) में बताये गये अनुसंधानों में से किन किन का उपयोग कहा कहा किया गया है और उससे क्या क्या लाभ उठाया गया है ?

†[RESEARCH FOR UTILISATION OF ATOMIC ENERGY

*329. SHRI V. M. CHORDIA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether research has been made to know the works for which Atomic Energy can be utilised in the fields of agriculture, industry, biology and medicine respectively; and the extent to which it can be utilised in each case;

(b) whether research is being made to ascertain other fields where it could be helpful; and

(c) which of the researches mentioned in part (a) above has been utilised and at what places it has been utilised and what benefit has been derived therefrom?]

वैदेशिक कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती लक्ष्मी एन० मेनन) : (क) से (ग) आवश्यक सूचना का एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

परमाणु शक्ति संस्थान ट्राम्बे में कृषि, उद्योग और मेडीसिन क्षेत्र में परमाणु शक्ति की प्रयुक्ति के विषय में अनुसंधान किये जाते हैं । यह संस्थान परमाणु शक्ति के शान्तिमय उपयोगों में अनुसंधान और विकास के लिये भारत का राष्ट्रीय केन्द्र है । ऐसे अनुसंधान के परिणामों की संक्षिप्त-वृत्ति प्रश्न के उत्तर की सीमा में देना संभव नहीं । संक्षेप रूप से, कृषि में इच्छा अनुसार नये प्लांट म्यूटेशन स्टेन्स को उत्पन्न करने और पौधे में अधिक उत्पात्ति करके फसल सुधारने के लिये, संग्रह किये हुये अनाज और फसल को नाश करने वाले कीड़े मकोड़ों पर नियंत्रण करने के लिये और निष्कीटन और नीरोगन के द्वारा खाद्यपदार्थ की सुरक्षा के लिये रेडियोसमस्थानिकों और विकिरण का उपयोग किया जाता है । मेडीसिन में रोगों की पहचान और निदान के लिये भी रेडियोसमस्थानिकों का उपयोग किया जाता है । रेडियोचिकित्सा में विकिरण स्रोत लाभदायक रूप से प्रयुक्त किये जाते हैं । उद्योग में वैज्ञानिक अनुसंधान, खोज, मापन और नियंत्रण के साधनों के रूप में रेडियोसमस्थानिकों और विकिरण स्रोतों को इस्तेमाल किया जाता है । वास्तव में इनकी प्रयुक्ति की कोई सीमा नहीं । संग्रह सुविधाओं और जटिल पद्धतियों में छेदों को पकड़ने के लिये बीयर और लुबरीकेशन परीक्षाओं में, स्टील और दूसरे

†[]English translation.